Petition to Stop Greyhound Racing in India

We appeal to the Government of India to ban greyhound racing and coursing. We also appeal to the State Government of Punjab not to legalise such events.

Greyhound racing is on the decline in the West because people have come to know of its hidden cruelties. The so-called "sport" involves gambling as well as intense animal cruelty and exploitation.

Greyhounds are trained using live lures such as rabbits and kittens. They are kept hungry so as to motivate them to chase, catch, and tear apart small animals. Having had their blood-lust aroused, they willingly run after mechanical rabbits on racetracks.

Photo courtesy: www.Life.com

The greyhounds lead miserable lives: they are kept half-starved, caged and muzzled. Their ears are tattooed for identification and consequently chopped off, to avoid revealing their former owners when the dogs are abandoned because they can no longer perform up to par.

In countries, such as the USA, the UK, Ireland and Australia, where greyhound racing industries have been allowed to develop, many thousands of greyhounds are put to death annually, when no longer required for racing.

In addition, thousands of injuries to greyhounds, many of them serious, occur every year. This is mainly because the shape of the tracks, fast straights leading into tight bends, creates a dangerous environment for dogs to run in.

Reasons enough for India not to establish greyhound-racing tracks, and for betting on dog races to remain illegal.

भारत में ग्रेहाउन्ड कुत्तों की दौड़ पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए याचिका

हम भारत सरकार से ग्रेहाउन्ड कुत्तों की दौड़ पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए अनुरोध करते हैं। हम पंजाब राज्य सरकार से भी अनुरोध करते हैं की वे ऐसी प्रतियोगिताओं को कानूनी रूप न दें।

ग्रेहाउन्ड दौड़ का प्रचलन अब पश्चिम में घटता जा रहा है, क्योंकि इस में निहित क्रूरता सब जान गए हैं। तथाकथित "खेल" के पीछे जुआ व पशु उत्पीडन और शोषण ही समाहित है।

ग्रेहाउन्ड का प्रशिक्षण खरगोश व बिल्ली के बच्चों जैसे जीवित चारे के माध्यम से किया जाता है। छोटे प्राणियों का पीछा करने, पकड़ने व चीर फाड़ने का प्रशिक्षण देने के लिए उन्हें भूखा रखा जाता है। ताज़ा खून का स्वाद मुंह लग जाने के कारण वे दौड़ के पथ पर यांत्रिक खरगोश का स्वयमेव पीछा करते हैं।

उनकी जिन्दगी बदतर होती है। उन्हें करीबन भूखा रखा जाता है, पिंजरे में मुंह बांध कर रखा जाता है। पहचान के लिए उनके कान बिंधे जाते हैं। और बाद में उनके मालिक की पहचान मिटाने के लिए कुत्तों के कान काट दिए जाते हैं, और उनकी उपयोगिता पूरी होने पर उन्हें त्याग दिया जाता है।

अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलेंड और ओस्ट्रेलिया जैसे देशों में, जहां ग्रेहाउन्ड दौड़ का विकास कानूनन हुआ है, प्रति वर्ष कई हज़ार ग्रेहाउन्ड को मौत के हवाले किये जाते हैं, जब दौड़ के लिए उनकी उपयोगिता नहीं रह जाती। दौड़ का पथ टेढ़ामेढ़ा और संकरा होने के कारण प्रति वर्ष कई ग्रेहाउन्ड की चोट गंभीर हो उठती है।

इतने कारण पर्याप्त हैं, भारत में ग्रेहाउन्ड की दौड़ प्रतियोगिता व पथ स्थापित न होने देने के लिए और उस पर दांव लगाने को गैरकानूनी ठहराने के लिए।

Those signing on behalf of their families or organisations, should please state the number of persons they represent.

यदि आप किसी संस्था या परिवार की ओर से हस्ताक्षर करते हैं तो आप की संस्था या परिवार के कुल सदस्यों की संख्या अवश्य लिखे।

On behalf of No. of persons ...व्यक्तिओं की ओर से	Name, City and Pin Code नाम, शहर और पिन कोड	Signature हस्ताक्षर

On behalf of No. of persons ...व्यक्तिओं की ओर से	Name, City and Pin Code नाम, शहर और पिन कोड	Signature हस्ताक्षर

On behalf of No. of persons ...व्यक्तिओं की ओर से	Name, City and Pin Code नाम, शहर और पिन कोड	Signature हस्ताक्षर

All signed Petitions should be returned to BWC at the earliest. Please ask for more blank Petition forms.

इस हस्ताक्षर अभियान के प्रणेता बी.डब्ल्यू.सी. को सभी हस्ताक्षरित याचिका शीघ्र ही लौटाई जाएँ।

आवश्यकता पड़ने पर याचिका की और प्रति हमसे मांगें।

Online petition at **ऑनलाइन याचिका**

http://www.bwcindia.org/greyhoundpetition.aspx

Beauty Without Cruelty – India

An International Educational Charitable Trust for Animal Rights

4 Prince of Wales Drive, Wanowrie, Pune 411 040. INDIA.

Tel: +91 20 2686 0016; +91 20 2686 1166 Fax: +91 20 2686 1420

E-mail: admin@bwcindia.org Website: www.bwcindia.org